संकट में है वो धरती जिसपे तूने जनम लिया लिरिक्स

अब पूरा करदे वचन,
गीता में जो तूने दिया,
संकट में है वो धरती,
जिसपे तूने जनम लिया,
अब पूरा करदे वचन,
गीता में जो तूने दिया।bd।

तर्ज – एक प्यार का नगमा है।

कैसी ये परीक्षा है,
जो दर्द दे जाते है,
अपने ही लोग मेरे,
मुझे देख न पाते है,
रो कर रह जाते है,
जिन्हें दुख हमनें न दिया,
संकट में हैं वो धरती,
जिसपे तूने जनम लिया।bd।

शमशानों में जगह नही,
अपनों को जलाने की,
कोई दवा नही जग में,
ये दर्द मिटाने की,
कोहराम मचा जग में,
दुख किसने इतना दिया,
संकट में वो धरती हैं,
जिसपे तूने जनम लिया।bd।

अब पूरा करदे वचन,
गीता में जो तूने दिया,
संकट में है वो धरती,
जिसपे तूने जनम लिया,
अब पूरा करदे वचन,
गीता में जो तूने दिया।bd।

गायक / प्रेषक – राजकुमार पाण्डेय।
9695745740

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com